



राष्ट्रीय वज्जान दविस 2019

चरुा में कयों?

वैज्जानकि अनुप्रयोगों के महत्व के बारे में संदेश फैलाने, मानव कल्याण के लयि वज्जान के कषेत्र में सभी गतविधियों, प्रयासों और उपलब्धियों को प्रदर्शति करने और वज्जान के वकिस के लयि नई तकनीकों को लागू कर वज्जान एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रयि बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय वज्जान दविस' मनाया जाता है ।

- इस वर्ष राष्ट्रीय वज्जान दविस के अवसर पर पटना वीमेंस कॉलेज के वज्जान ब्लॉक द्वारा दो दविसीय प्रदर्शनी का आयोजन कयि गया ।

प्रमुख बदि

- देश में हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय वज्जान दविस के रूप में मनाया जाता है ।
- इसमें देश भर के वैज्जानकि संगठन और संस्थान शामिल हुए ।
- इस वर्ष राष्ट्रीय वज्जान दविस की थीम है: **साइंस फॉर द पीपल, एंड पीपल फॉर द साइंस** ।
- इस अवसर पर वर्ष 2016, 2017 और 2018 के लयि शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार भी प्रदान कयि गए ।

पृष्ठभूमि

- 28 फरवरी, 1928 को देश के प्रसदिद भौतिकि वज्जानी सर चंद्रशेखर वेंकट रमन ने 'रमन प्रभाव' की खोज की थी जिसके लयि वर्ष 1930 में उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानति कयि गया । इसी के उपलक्ष्य में 28 फरवरी, 1986 से प्रत्येक वर्ष इस दनि को राष्ट्रीय वज्जान दविस के रूप में मनाया जाता है ।
- 1954 में भौतिकी के कषेत्र में योगदान के लयि सीवी रमन को भारत रत्न से सम्मानति कयि गया ।

रमन प्रभाव (Raman Effect)

रमन प्रभाव के अनुसार, प्रकाश की प्रकृति और स्वभाव में तब परिवर्तन होता है जब वह किसी पारदर्शी माध्यम से नकिलता है । यह माध्यम ठोस, द्रव और गैस कुछ भी हो सकता है ।

अनुप्रयोग

- यह एक अद्भुत प्रभाव है, इसकी खोज के एक दशक बाद ही 2000 रासायनकि यौगिकों की आंतरकि संरचना का पता लगाया गया । इसके पश्चात् ही क्रिस्टल की आंतरकि रचना का भी पता लगाया गया ।
- फोटोन की ऊर्जा या प्रकाश की प्रकृति में होने वाले अतिसूक्ष्म परिवर्तनों से माध्यम की आंतरकि अणु संरचना का पता लगाया जा सकता है । रमन प्रभाव रासायनकि यौगिकों की आंतरकि संरचना समझने के लयि भी महत्वपूर्ण है ।
- प्रत्येक रासायनकि पदार्थ का अपना एक वशिष्ट रमन स्पेक्ट्रम होता है और किसी पदार्थ के **रमन स्पेक्ट्रम** को देखकर उन पदार्थों की पहचान की जा सकती है । इस तरह रमन स्पेक्ट्रम पदार्थों को पहचानने और उनकी आंतरकि परमाणु संयोजन का ज्जान प्राप्त करने का महत्त्वपूर्ण साधन भी है ।

शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार- 2018

अपने स्थापना दविस के अवसर पर वैज्जानकि और औद्योगिकि अनुसंधान परिषद (Council of Scientific and Industrial Research- CSIR) ने वर्ष 2018 के लयि शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार प्राप्त करने वाले वज्जिताओं की सूची जारी की है ।

- हर साल 45 वर्ष से कम आयु के कई वैज्जानिकों को देश भर के वभिन्नि संस्थानों से चुना जाता है और पछिले पाँच वर्षों में उनके उत्कृष्ट वैज्जानकि

कार्य के लिये सम्मानित किया जाता है।

- विभिन्न श्रेणियों में इस वर्ष के विजेताओं की सूची इस प्रकार है :

जीव विज्ञान - डॉ. गणेश नागाराजू (भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलूरु) और डॉ. थॉमस पुकाडलि (भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान -IISER पुणे)।

रसायन विज्ञान – डॉ. राहुल बनर्जी तथा डॉ. स्वाधीन कुमार मंडल (IISER कोलकाता)।

पृथ्वी, वातावरण, सामुद्रिक एवं ग्रहीय विज्ञान - डॉ. मेदिनी वैकट रत्न (राष्ट्रीय वातावरण अनुसंधान प्रयोगशाला, तरिपती) और डॉ. पार्थसारथी चक्रवर्ती (CSIR-राष्ट्रीय सामुद्रिक संस्थान)।

अभियांत्रिकी विज्ञान – डॉ. अमति अग्रवाल और डॉ. अश्वनि अनलि गुमास्ते (IIT बॉम्बे)।

गणितीय विज्ञान - डॉ. अमति कुमार (IIT दिल्ली) और डॉ. नतिनि सक्सेना (IIT कानपुर)।

चिकित्सा विज्ञान - डॉ. गणेशन वैकट सुब्रमण्यम (राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बंगलूरु)।

भौतिक विज्ञान - डॉ. अदिति सेन डे (हरीशचंद्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद) और डॉ. अंबरीश घोष (भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलूरु)।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद

(Council of Scientific and Industrial Research CSIR)

- वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अपने अग्रणी अनुसंधान एवं विकास ज्ञानाधार के लिये ज्ञात एक समसामयिक अनुसंधान एवं विकास संगठन है।
- CSIR की स्थापना वर्ष 1942 में की गई थी। यह एक स्वायत्त संस्था है तथा भारत का प्रधानमंत्री इसका अध्यक्ष होता है।
- शमिगो इंस्टीट्यूशन रैंकिंग वर्ल्ड रपॉर्ट 2014 के अनुसार, विश्व भर के 4851 संस्थानों में CSIR का स्थान 84वाँ है और यह शीर्षस्थ 100 अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में अकेला भारतीय संगठन है। CSIR एशिया में 17वें और देश में पहले स्थान पर है।

स्रोत – PIB

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/national-science-day-2019>